रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 26 जून, 2026

वर्ष 02 | अंक 154 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जमीन खरीद से जुड़े आरोपों के बीच दिल्ली तलब हुए सीएम

मोहन यादव? सियासत गरम, BJP ने बताया 'भ्रामक प्रचार'

कांग्रेस के हमलों के बीच दिल्ली दौरे को लेकर अटकलें तेज, भाजपा ने आरोपों को किया खारिज

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दिल्ली दौरे को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं सामने आने लगीं। विपक्षी दल कांग्रेस ने जमीन खरीद से जुड़े आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए मामले की जांच की मांग उठाई है, वहीं भाजपा ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीतिक प्रेरित बताया है। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि हाल ही में सामने आए भूमि खरीद संबंधी विवाद के बाद मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि दौरे का संबंध आरोपों से है या नहीं।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार से जुड़े भूमि सौदों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि जिन क्षेत्रों में बाद में सरकारी परियोजनाएं आईं, वहां पहले जमीन खरीदी गई थी। कांग्रेस ने इस पूरे मामले में पारदर्शिता की मांग करते हुए न्यायिक जांच की मांग दोहराई है।

भाजपा का पलटवार

भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई अनियमितता साबित नहीं हुई है और विपक्ष बिना तथ्यों के भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। भाजपा का दावा है कि कांग्रेस विकास कार्यों और सरकार की लोकप्रियता से घबराकर ऐसे मुद्दे उछाल रही है।

दिल्ली दौरे पर बढ़ी अटकलें

मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे को लेकर राजनीतिक विश्लेषक कई तरह के कयास लगा रहे हैं। हालांकि भाजपा का कहना है कि पार्टी और सरकार के वरिष्ठ नेताओं का दिल्ली आना-जाना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे किसी विवाद से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा।

राजनीतिक तापमान बढ़ा

आरोप-प्रत्यारोप के इस दौर में प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे को आगे किस तरह लेकर जाते हैं तथा क्या इस मामले में कोई आधिकारिक जांच या नया खुलासा सामने आता है।

आतंकवाद के खिलाफ भारत-ताजिकिस्तान की साझा रणनीति, दुशांबे में बना सहयोग का रोडमैप

दुशांबे। भारत और ताजिकिस्तान ने आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरपंथ जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह (Joint Working Group on Counter Terrorism) की पांचवीं बैठक ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित हुई, जिसमें क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवाद, आतंकी संगठनों की गतिविधियों, आतंकवाद के वित्तपोषण तथा कट्टरपंथ के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त की। भारत और ताजिकिस्तान ने खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। ऑनलाइन कट्टरपंथ और डिजिटल माध्यमों से फैलाए जा रहे आतंकवादी प्रचार पर भी चर्चा की। भविष्य में भी घनिष्ठ सहयोग जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मिशन 2027 की तैयारी तेज,

यूपी BJP की नई टीम घोषित; पूजा पाल और नीरज सिंह बने उपाध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति के तहत पार्टी ने कई नए और अनुभवी चेहरों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

नई टीम में कुल 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, 8 महामंत्री और 18 प्रदेश मंत्री नियुक्त किए गए हैं। पार्टी ने पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पूजा पाल और नीरज सिंह समेत कई नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा संगठन में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने का भी प्रयास किया गया है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि नई टीम आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पार्टी ने युवा, महिला, पिछड़ा वर्ग और अन्य सामाजिक समूहों को भी प्रतिनिधित्व देने पर जोर दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, नई कार्यकारिणी के गठन को भाजपा की 2027 चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। संगठन में किए गए बदलावों से पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रदेश नेतृत्व ने नई टीम के सभी पदाधिकारियों से संगठन विस्तार, जनसंपर्क और चुनावी तैयारियों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।

कार्तिकेय सिंह का नाम लेने पर

राहुल गांधी ने जताया खेद, मानहानि मामले में कोर्ट में पेश किया पक्ष

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान से जुड़े मानहानि मामले में खेद व्यक्त किया है। राहुल गांधी की ओर से भोपाल की अदालत में दाखिल आवेदन में कहा गया है कि उनके बयान में कार्तिकेय सिंह का नाम अनजाने में आ गया था और उनका आशय कार्तिकेय सिंह के बारे में टिप्पणी करना नहीं था।

यह मामला उस बयान से जुड़ा है, जिसके बाद कार्तिकेय सिंह चौहान ने राहुल गांधी के खिलाफ भोपाल की अदालत में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी के बयान से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है।

राहुल गांधी के वकील द्वारा अदालत में प्रस्तुत पक्ष में कहा गया है कि संबंधित टिप्पणी कार्तिकेय सिंह को लक्षित करके नहीं की गई थी। आवेदन में यह भी स्पष्ट किया गया कि नाम का उल्लेख भूलवश हुआ और इससे किसी व्यक्ति की छवि को नुकसान पहुंचाने का उद्देश्य नहीं था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। अब इस प्रकरण में आगे की कार्रवाई अदालत के निर्णय के अनुसार होगी। यह मामला राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि इसमें देश के प्रमुख विपक्षी नेता और एक वरिष्ठ भाजपा नेता के परिवार का नाम जुड़ा हुआ है।

आदिवासी नेता स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया के प्रतिमा स्थल पर लगा अनुयायियों का मेला

आदिवासी संस्कृति के अनुरूप पूजन कर स्वर्गीय भूरिया की प्रतिमा पर 30 मीटर का साफा बांधा

11वीं पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे इनके अनुयाई

कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा-मेरे पिता एक सच्चे आदिवासी जननेता थे

जनप्रतिनिधियों के साथ ही बड़ी संख्या में आम लोग पहुंचे प्रतिमा स्थल, प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

सलीम हुसैन

झाबुआ। कद्दावर आदिवासी नेता स्वर्गीय दिलीपसिंह भूरिया की 11वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को झाबुआ में उनके प्रतिमा स्थल पर। अनुयायियों का मेला लगा। इस दौरान सभी ने उनके द्वारा आदिवासी समाज के उत्थान के लिए दिए योगदान को शिद्दत से याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। परिवार के सदस्यों ने आदिवासी संस्कृति के अनुरूप पूजन कर प्रतिमा पर 30 मीटर का साफा बांधा। इस दौरान जब तक सूरज चांद रहेगा, भूरिया जी का नाम रहेगा, जैसे नारे भी लगाए गए। दलगत राजनीति से परे जनप्रतिनिधि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे तो वहीं आम लोगों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया को याद किया। सुबह से ही प्रतिमा स्थल पर अन्युयायियो के आने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो शाम तक अनवरत जारी रहा। सुबह करीब 10 बजे भाजपा नेताओं ने प्रतिमा पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। यहां उनकी बेटी और केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया भी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पहुंची। इस मौके पर उन्होंने कहा-महान व्यक्तित्व कभी विदा नहीं होते, वे अपनी प्रेरणा और यश के रूप में सदैव हमारे बीच बने रहते हैं।

मेरे परम पूज्य पिताजी स्व. श्री दिलीप सिंह भूरियाजी जो कि पूर्व सांसद एवं भारत सरकार में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष भी रहे. उनकी विकासात्मक दूर दृष्टि ने आदिवासी हितों को नई आवाज व पहचान दी।वे आखिरी सांस तक देशभर के आदिवासियों के अधिकार के लिए संघर्ष करते रहे। पेसा एक्ट के जनक मेरे आदर्श पिताश्री स्व. श्री दिलीप सिंह भूरिया जी की ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर मैं उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने कहा- स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया आदिवासियों की आवाज थे। आज निसंदेह इस क्षेत्र के लिए उन्होंने जो कार्य किए वो कल्पना से परे हैं। उनके द्वारा किए कार्य के लिए झाबुआ ही नहीं प्रदेश और देश में उन्हें याद किया जाता है। पेसा कानून बनाकर उन्होंने आदिवासियों के हित के लिए काम किया। वरिष्ठ आदिवासी नेता श्यामा ताहेड ने कहा स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया हम सभी के लिए श्रद्धेय हैं। उन्होंने ने अपने जीवन में कठिनाई और विरोधों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। सरकार का विरोध भी झेला लेकिन आदिवासियों के हित के लिए खड़े रहे। ऐसे नेता न पहले कभी हुए और न भविष्य में होंगे।

आयोजन में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कलसिंह भाबर, पूर्व सांसद गुमानसिंह डामोर, बालू भूरिया, श्यामा ताहेड़, रमेश सोलंकी, अजमेर सिंह भूरिया, हेमंत भट्ट, योगेश गामड़, विकास गामड़, मंडल अध्यक्ष करन अमलियार, संजय कहार, पप्पू लाल गामड़, सोमसिंह सोलंकी, विनोद पुरोहित,प्रवीण सुराणा,विजय नायर, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि बिट्टू सिंगार, नगर पालिका उपाध्यक्ष लाखन सिंह सोलंकी मनोहर भटेवरा, नवीनचंद्र सिंह बोधायता, जितेंद्र मेहता,सहित बड़ी संख्या में अलग अलग राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य मौजूद रहे।

अनुभवी शिक्षाविद् विनोद पाठक बने खनियाधाना के विकासखंड शिक्षा अधिकार

अतुल जैन

शिक्षकों में उत्साह, शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ने की उम्मीद

खनियाधाना। लंबे समय के अंतराल के बाद खनियाधाना विकासखंड को नया विकासखंड शिक्षा अधिकारी मिल गया है। अनुभवी एवं कर्मठ शिक्षाविद् श्री विनोद पाठक ने बीईओ खनियाधाना का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके पदस्थ होने से विकासखंड के शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है।

शिक्षक समुदाय का मानना है कि श्री पाठक शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक गतिविधियों एवं शिक्षकों से जुड़े प्रशासनिक विषयों का गहरा अनुभव रखते हैं। लंबे अंतराल के बाद विकासखंड को ऐसा अधिकारी मिला है जो शिक्षकों के स्वत्वों, लंबित प्रकरणों एवं विभागीय समस्याओं के निराकरण में विशेष रुचि लेकर कार्य करेंगे। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने आशा व्यक्त की है कि श्री पाठक के नेतृत्व में शिक्षकों के हितों की रक्षा, समयबद्ध प्रशासनिक कार्यवाही तथा विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को नई गति मिलेगी। उनके अनुभव और सकारात्मक कार्यशैली का लाभ पूरे विकासखंड के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालयों को प्राप्त होगा।

इस अवसर पर शिक्षक समुदाय एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्री विनोद पाठक को नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

मां करणी सेना इंदौर जिलाध्यक्ष बाला ठाकुर ने शासकीय अस्पताल (MY) में खोला मोर्चा

प्रदेश के बड़े शासकीय अस्पतालों में से एक इंदौर का महाराजा यशवंतराव अस्पताल लगातार प्रशासन की अनदेखी इस अस्पताल में होती आई है कभी नवजात शिशुओं को चूहो द्वारा कुतरना कभी डॉक्टरों का समय पर उपलब्ध नहीं रहना लगातार सरकार और प्रशासन पर गंभीर सवाल उठता है विगत रात्रि में अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर अनुपस्थित रहा जिससे कि मरीज और उनके परिजनों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा जैसे ही मां करणी सेना संगठन के इंदौर जिला अध्यक्ष बाला ठाकुर को पता चला उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर धर्मेंद्र सिंह गौतम जी के आदेशानुसार अस्पताल में मोर्चा खोल दिया।

विश्व संगीत दिवस पर 24 घंटे गीत संगीत महफ़िल हुई

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंटरनेशनल रिदम बैंड द्वारा 24 घंटे का संगीतमय जलसा विश्व संगीत दिवस पर कृष्ण पूरा छत्री पर हुआ, दीप प्रज्वलन डा प्रमोद कुमार जैन, कर्नल ललित आनंद, गोवर्धन लिंबोदिया, प्रकाश खानविलकर ने किया स्वागत राजेंद्र कौशिक, अभिषेक गावड़े, जयमाला लाड ने किया, आयोजन की शुरुवात अभय मानके, अमृता मानके ने शास्त्रीय ध्रुपद गायन में शिव स्तुति से की, रवि साल्के, बाबला गजभिए, अनूप कुलपारे, दीपेश जैन, विजय राठौर, गीतेश, शुभम, संदीप चौधरी, राज बिज्जोरे, रमेश यादव ने की, 5 वर्ष से 80 वर्ष तक के आयु के सभी ने अपनी प्रस्तुति दी, 24 घंटे के जलसे में 160 नगमों की प्रस्तुति हुई, लगभग 105 कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

सभी लाइव बैंड पर अपनी प्रस्तुति दे रहें थे, छत्री को आकर्षक लाइट से सजाया, जयमाला लाड, मनीष शुक्ला, नासिर खान, अनुभा, सुनील झूँझे, वर्षा झालानी, संजय जैन, प्रमोद झंवर, शरद खंडेलवाल, अंतरा पंडित, सुभाष पोरवाल, शैलू भट्ट, ने प्रस्तुति दी, संचालन टोनी शुक्ला, सतीश पांडे, जावेद खान, ने किया, बांसुरी पर मयंक, सेक्सफोन पर हार्दिक सपकाल, बेंजो पर भी प्रस्तुति दी, इस आयोजन

का श्रोताओं और कलाकारों को बेसब्री से इंतजार रहता है, भारत में 16 वर्ष पूर्व इंदौर छत्री पर इसकी शुरुआत हुई, अब पूरे भारत में ये आयोजित होने लगा है।

आयोजन स्थल छत्री को आकर्षक लाइट से सजाया था, इस आयोजन में कलाकारों के अलावा राजनेता, अधिकारी, वकील, डॉक्टर, उद्योगपति सभी शिरकत करते है, किसी भी कलाकार से शुल्क नही लिया जाता, आयोजन की व्यवस्था वरिष्ठ भाजपा नेता चंदूराव शिंदे, अभिषेक गावड़े, गोवर्धन लिंबोदिया द्वारा किया जाता है, कैफियत के एंकर सतीश पांडे ने सभी कलाकारों के आकर्षक पोस्टर बनाए, 24 घंटे नॉन स्टॉप चलने वाला भारत का एक मात्र आयोजन है, इस आयोजन की गूंज पूरे भारत में रहती है !!

रणजीत टाइम्स

जिंदगी और बता तेरा इरादा क्या है

आदित्य शर्मा

जस्टिस विजय शुक्ला इंदौर उच्च न्यायालय खंडपीठ से सेवानिवृति के अवसर पर जस्टिस शुक्ला जी ने अपने उद्बोधन में मुकेश जी की इन लाइनों का जिक्र करते हुए अपने यहां के कार्यकाल में अपने अनुभवों को शेयर किया।जस्टिस शुक्ला जी कार्यशैली की जस्टिस सुबोध अभ्यंकर जी प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।बार संघ के अध्यक्ष मनीष यादव ने इस अवसर पर भावुक होते हुए माहौल को गंभीर बिदाई का बना दिया।कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवम सदस्यों ने सभी जस्टिस सहित उनकी उनके परिवार के उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।इस दौरान अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता सहित काफी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित थे।जस्टिस शुक्ला जी को उच्च न्यायालय बार संघ ने स्मृति चिन्ह एवम वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद द्विवेदी ने रोहित उज्जैनी,मनीष यादव अभिषेक तुगनावत के साथ स्मृति चिन्ह दिया।कार्यक्रम का समापन डिनर के साथ हुआ।उल्लेखनीय है की इस अवसर पर जस्टिस शुक्ला जी विनोद द्विवेदी जी को जन्म दिन की बधाई देते हुए उनकी गायन की प्रशंसा भी की।

संत श्री सेवालाल महाराज चौक नामकरण की मांग, महापौर ने शीघ्र कार्यवाही का दिया आश्वासन

राजेश धाकड़

इंदौर। बंजारा समाज के आराध्य संत एवं महान समाज सुधारक संत श्री सेवालाल महाराज के सम्मान में विधानसभा क्रमांक-5 के वार्ड क्रमांक-40 स्थित रोबोट चौराहा के समीप महक वाटिका गार्डन के सामने बने तिराहे को "संत श्री सेवालाल महाराज चौक" घोषित किए जाने की मांग को लेकर संत सेवालाल महाराज समिति, खजराना द्वारा महापौर पुष्यमित्र भार्गव को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में समिति ने बताया कि उक्त तिराहे को समाज की भावना के अनुरूप संत श्री सेवालाल महाराज चौक के रूप में स्थापित किया गया है तथा पूर्व में भी चौक नामकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है। समिति ने मांग की कि क्षेत्र की जनभावनाओं एवं बंजारा समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए चौक का विधिवत नामकरण किया जाए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने समाजजनों की मांग को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र ही चौक का नामकरण "संत श्री सेवालाल महाराज चौक" के रूप में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर जल्द सकारात्मक कार्यवाही की जाएगी। समिति ने महापौर का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि शीघ्र ही बंजारा समाज की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री दीपक गोविंद चौहान, महानगर अध्यक्ष पवन पवार, महानगर संगठन मंत्री मिथुन पवार, अंकित राठौर महाराज, विजय पवार सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपहरण का मास्टर माइंड गिरफ्तार, बेटमा पुलिस ने 24 घंटे में किया सनसनीखेज खुलासा

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर । थाना बेटमा पुलिस ने अपहरण के एक गंभीर मामले का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया तथा वारदात में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार फरियादी द्वारा अपने पुत्र के अपहरण की सूचना थाना बेटमा में दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं लगातार की गई पूछताछ के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की।

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया तथा घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त सामग्री भी बरामद की गई है। थाना बेटमा पुलिस की इस उल्लेखनीय सफलता में थाना प्रभारी का नेतृत्व और सूझबूझ सराहनीय रही। उनके कुशल मार्गदर्शन, सतत मॉनिटरिंग एवं टीम भावना के साथ किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप अपहरण जैसे गंभीर मामले का त्वरित खुलासा संभव हो सका। थाना प्रभारी ने स्वयं पूरे प्रकरण की निगरानी करते हुए पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे आरोपियों तक शीघ्र पहुंचकर पीड़ित को सुरक्षित बरामद किया गया। उनकी कार्यशैली पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता, तत्परता और जनसुरक्षा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। थाना प्रभारी बेटमा के प्रभावी नेतृत्व, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कुशल रणनीति के चलते पुलिस टीम ने अपहरण के इस मामले का सफलतापूर्वक खुलासा कर पीड़ित को सुरक्षित बरामद किया। उनकी सक्रिय कार्यशैली और टीम के प्रति समन्वय की भावना इस सफलता का प्रमुख आधार रही। क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे अपराधियों के लिए कड़ा संदेश बताया है। बेटमा पुलिस की इस सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अपराधियों के लिए कानून से बच पाना आसान नहीं है।

गीता में वर्णित योग,आज का सहजयोग

**"तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।
भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।"**

श्रीमद्भगवद्गीता

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को प्रदत्त श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित दैवीय गुण—तेज, क्षमा, धैर्य, शुद्धता, वैरभाव का अभाव तथा अहंकार से मुक्त जीवन—मानव के आध्यात्मिक उत्कर्ष के प्रतीक हैं। इन दैवी गुणों को जीवन में विकसित करने का सरल एवं प्रभावी मार्ग प. पू. श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा स्थापित सहजयोग ध्यान पद्धति में निहित है। सहजयोग एक अनूठी ध्यान प्रणाली है, जो साधक को सर्वप्रथम 'निर्विचार अवस्था' का अनुभव कराती है। इस अवस्था में मन की अनावश्यक गतिविधियाँ शांत हो जाती हैं और व्यक्ति आत्मपरीक्षण की दिशा में अग्रसर होता है। लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जिस योग का ज्ञान दिया था, उसी आत्मज्ञान को कलियुग में पुनः जन-जन तक पहुँचाने का कार्य प. पू. श्री माताजी ने सहजयोग के माध्यम से किया। सहजयोग के नियमित अभ्यास से हमारे सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों की शुद्धि होती है। मूलाधार चक्र के शुद्ध होने पर व्यक्ति के भीतर निर्मलता, पवित्रता, निष्कपटता और सहजता का विकास होता है। हृदय चक्र की शुद्धि से धैर्य, आत्मविश्वास तथा सभी के प्रति मैत्रीभाव उत्पन्न होता है। जीवन में संतुलन आता है और अतिशयता का अभाव होने लगता है।

जब आज्ञा चक्र स्वच्छ होता है, तब साधक क्षमाशील बनता है। सहस्त्रार चक्र पर नियमित ध्यान करने से व्यक्ति में तेजस्विता विकसित होती है। उसकी उपस्थिति सकारात्मकता का संचार करती है और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर स्वाभाविक प्रभाव पड़ता है। प. पू. श्री माताजी का स्पष्ट मार्गदर्शन है कि एक सहज साधक में ये सभी दैवी गुण विकसित होने चाहिए, अन्यथा आध्यात्मिक प्रगति बाधित हो सकती है।

भगवान श्रीकृष्ण ने आत्मपरीक्षण का महत्व बताया है। हमें दूसरों के दोष देखने के बजाय अपने भीतर झाँकना चाहिए और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। विशुद्धि चक्र पर स्थित श्रीकृष्ण का ध्यान करने से हमारे दोषों की शुद्धि होती है तथा उनके गुण—मधुरता, आनंद, हर्षोल्लास और संतुलन—हमारे व्यक्तित्व में प्रकट होने लगते हैं। सहजयोग हमें यह भी सिखाता है कि न तो स्वयं से और न ही किसी अन्य से नाराज़ होना चाहिए। यही श्रीकृष्ण की सच्ची उपासना है। आइए, सहजयोग के माध्यम से अपने भीतर दैवीय संपदा को जागृत करें और एक संतुलित, शांत एवं आनंदमय जीवन की ओर कदम बढ़ाएँ। अपने निकटतम सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 पर अथवा वेबसाइट sahajayoga.org.in पर जाकर अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं।

कलेक्टर ने जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों की समीक्षा कर दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

सलीम हुसैन

झाबुआ, कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिले में दर्ज जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंभीर अपराधों की विवेचना, अभियोजन की प्रगति तथा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जघन्य एवं सनसनीखेज अपराधों की विवेचना निर्धारित समय-सीमा में तत्परतापूर्वक पूर्ण की जाए तथा प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने जिले की शासकीय भूमि पर बिल्डरों, भू-माफियाओं एवं अन्य व्यक्तियों अथवा संस्थाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जों से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की। बैठक में न्यायालयों द्वारा पारित प्रतिकूल निर्णयों के कारणों का परीक्षण करते हुए विवेचना एवं अभियोजन अधिकारियों द्वारा दायित्व निर्वहन में हुई त्रुटियों एवं लापरवाही पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन मामलों में संबंधित व्यक्तियों के साक्ष्य दर्ज किया जाना शेष है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर साक्ष्य संकलित कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार, वनमंडलाधिकारी भरत सोलंकी, अपर कलेक्टर सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ महेश मंडलोई, जेल अधीक्षक सुजीत खरे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समान नागरिक संहिता यूसीसी कानून मे पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं साबिर फ़िटवेल

सलीम हुसैन

मध्य प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति द्वारा यूसीसी के संबंध में विभिन्न धर्मों के लोगों से उनके सुझाव एवं आपत्तियाँ प् प्रत्येक जिलों से प्राप्त की जा रही है प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि समान नागरिक संहिता और पर्सनल लॉ में बहुत बड़ा अंतर है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 समान नागरिक संहिता की बात करता है ना कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप की।

संविधान के नीति निदेशक तत्वों का हवाला देकर मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया जा रहा है। भारत में जितने भी ऐसे कानून बनाए जा सकते थे जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हों वे पहले से ही बनाए जा चुके हैं और मुसलमान उन सभी कानूनों का पालन भी करता है। इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन पर्सनल लॉ एक अलग विषय है जो विभिन्न धर्मों के विवाह तलाक और उत्तराधिकार से संबंधित है। देश का कानून सभी धर्मों के लोगों को अपने धार्मिक मामलों के पालन की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करता है। विभिन्न धर्मों के पर्सनल लॉ संविधान से अलग कोई कानून नहीं हैं बल्कि वे भी संविधान के अंतर्गत ही आते हैं, जिसके अनुसार सभी लोगों को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान के नीति निदेशक तत्वों का हवाला देकर पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करने की कोशिश की जा रही है जबकि इन्हीं नीति निदेशक तत्वों में अनेक अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया गया है जिनकी चर्चा कोई नहीं करता और न ही सरकार उन्हें लागू करना चाहती है। उदाहरण के लिए देश में पूर्ण शराबबंदी होनी चाहिए लेकिन आज प्रदेश में प्रतिदिन नई-नई शराब की दुकानें खोली जा रही हैं। इसी प्रकार नीति निदेशक तत्वों में समान कार्य के लिए समान वेतन आर्थिक समानता तथा भौतिक संसाधनों में समान अवसर जैसी बातों का भी उल्लेख है।

उन्होंने कहा कि समाज में न्यायपालिका के माध्यम से कुछ ऐसे नए निर्णय भी सामने आ रहे हैं जिन्हें

भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना जा सकता, जैसे लिव-इन रिलेशनशिप तथा पति-पत्नी के रहते हुए अवैध संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किए जाने संबंधी निर्णय। ऐसे विषयों पर कोई चर्चा नहीं करता। हम विदेशी देशों की नकल करके ऐसे कानून लागू करना चाहते हैं, जिनसे स्वयं वे देश भी परेशान हैं और जिनके कारण वहाँ का सामाजिक ताना-बाना प्रभावित हुआ है। लिव-इन रिलेशनशिप जैसे प्रावधान कई देशों में तलाक के बाद संपत्ति के बंटवारे से बचने की प्रवृत्ति के कारण विकसित हुए हैं। जबकि हमारे देश में सभी धर्मों में वैध विवाह से स्थापित संबंधों को ही मान्यता प्राप्त है। इसलिए हमें विदेशी कानूनों की नकल करने के बजाय भारतीय संस्कृति परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ओर पूरे देश में समान नागरिक संहिता की बात की जाती है लेकिन दूसरी ओर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कानून बनाए जा रहे हैं। पहले यह कानून गुजरात और उत्तराखंड में लागू किया गया और अब मध्य प्रदेश में भी इसे लागू करने की तैयारी की जा रही है। साथ ही इस कानून के दायरे से आदिवासी समाज के एक बड़े वर्ग को अलग रखा जा रहा है, जो समानता के मूल सिद्धांत के विपरीत है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के शासनकाल में भी विभिन्न धर्मों से संबंधित कानून उनके अनुयायियों से विचार-विमर्श और परामर्श के बाद बनाए जाते थे। समिति को भी राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक विचार-विमर्श और परामर्श करना चाहिए। साथ ही समिति को मुस्लिम पर्सनल लॉ का गहन अध्ययन करना चाहिए जिसमें अलग-अलग जिम्मेदारियों के अनुसार कानूनों का वर्गीकरण किया गया है। प्रत्येक व्यक्ति पर उसकी क्षमता के अनुसार दायित्व रखा गया है तथा कहीं कोई भेदभाव या असमानता नहीं है। इस्लाम में निकाह, तलाक और विरासत के बंटवारे का सुव्यवस्थित एवं न्यायपूर्ण तरीका बताया गया है। इसी तरह हलाला के विषय में जैसा खराब प्रचार किया जाता है ऐसी कोई खराब प्रथा की अवधारणा इस्लाम में मौजूद नहीं है।

उन्होंने यूसीसी समिति से मांग करते हुए कहा कि पर्सनल लॉ में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप न किया जाए। हमें अपने पर्सनल लॉ में किसी भी प्रकार की दखलंदाजी स्वीकार नहीं है और यह असहनीय है। सभी धर्मों के लोगों को अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। वही शराबबंदी का कानून लागू किया जाए। साथ ही जिस प्रकार गाय को लेकर देशभर में विवाद उत्पन्न होते रहते हैं उसे देखते हुए पूरे देश में ऐसा कानून बनाया जाए जिसमें गाय की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध हो तथा बिक्री करने वाले के लिए कठोरतम दंड फांसी का प्रावधान किया जाए। इसके अतिरिक्त आपराधिक कानूनों में व्यभिचार (ज़िना) जैसे गंभीर अपराधों के संबंध में और अधिक कठोर कानूनी प्रावधान किए जाने की आवश्यकता है।

बारात से लौट रही कार बेकाबू होकर पलटी दो चचेरे भाइयों की मौत, दो झांसी रेफर

अतुल जैन

पिछोर-चंदेरी रोड पर मसीदघाट कलारी के सामने सुबह 3:45 बजे हुआ हादसा, तेज रफ्तार बनी वजह, चालक फरार

खनियाधाना। बामौरकला थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह बारात से लौट रहे युवकों की टीयूव्ही कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी रेफर किया गया है।

ललितपुर से लौट रहे थे पांच युवक

जानकारी के अनुसार अशोकनगर और शिवपुरी जिले के पांच युवक उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में बांसी हसारी गांव एक बारात में शामिल होने गए थे। गुरुवार सुबह करीब 3:45 बजे सभी टीयूव्ही कार क्रमांक UP65CD6997 से वापस लौट रहे थे।

मसीदघाट कलारी के सामने पलटी कार

जैसे ही कार पिछोर-चंदेरी रोड पर बुढ़ानपुर स्थित मसीदघाट कलारी के सामने पहुंची, तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दुर्गापुर थाना बामौरकलां निवासी राघवेन्द्र यादव (20) पुत्र राजकुमार यादव और उनके चचेरे भाई सुवेन्द्र उर्फ कल्ला यादव (22) पुत्र मुशीलाल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार पहाड़पुर थाना खनियाधाना निवासी अमन यादव (15) पुत्र वीरभान यादव और यश यादव (23) पुत्र रामपाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।

डायल-112 पहुंची मदद के लिए

घटना की सूचना पर डायल-112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सरकारी अस्पताल खनियाधाना पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने राघवेन्द्र और सुवेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। अमन और यश की हालत गंभीर होने पर परिजन बेहतर इलाज के लिए उन्हें झांसी ले गए।

चालक मौके से फरार, केस दर्ज

बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय कार तेज रफ्तार में थी। हादसे के बाद चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में प्रकरण दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है

इनका कहना है

"गुरुवार करीब 4:00 बजे FRV 112 पर एक एक्सीडेंट के संबंध में पॉइंट आया था। मौके पर FRV पहुंची तो वहां पर एक TUB गाड़ी जो कि एक्सीडेंट के कारण पलट गई थी, उसमें करीब-करीब चार लोग घायल थे। दो लोगों की कंडीशन बहुत ज्यादा सीरियस थी और दो अन्य लोग भी घायल थे। ये सभी लोग झांसी से महाराष्ट्र से वापस बामौर कलां आ रहे थे। बामौर कलां वापसी के दौरान प्रसिद्ध घाट के पास वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया था।

शादी समारोह में आए युवक की हत्या का 24 घंटे में खुलासा

अतुल जैन

खेत पर शराब पार्टी के दौरान हुआ विवाद बना मौत की वजह, दो आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

खनियाधाना । खजरा गांव में शादी समारोह में शामिल होने आए एक युवक की हत्या के मामले में खनियाधाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें उपजेल पिछोर भेज दिया गया।

(शादी में शामिल होने आया था युवक)

पुलिस के अनुसार शिवपुरी निवासी सुशील उर्फ सिम्पल उपाध्याय 21 जून को अपने साथी देवा आदिवासी और केशराम उर्फ छोटू गुर्जर के साथ ग्राम खजरा में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। शादी कार्यक्रम के दौरान तीनों युवक गांव के बाहर खेत पर बैठकर शराब पार्टी करने चले गए थे।

(शराब पार्टी के दौरान हुआ विवाद)

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर तीनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि सुशील उर्फ सिम्पल की हत्या कर दी गई। अगले दिन उसका शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

(भाई की रिपोर्ट पर दर्ज हुआ हत्या का मामला)

मृतक के भाई कपिल उपाध्याय निवासी निचला बाजार, जैन मंदिर गली, शिवपुरी ने 22 जून को थाना खनियाधाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसके भाई के साथ गए दोनों साथियों पर हत्या का संदेह है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 222/2026 के तहत धारा 103(1) एवं 3(5) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की।

(मुखबिर की सूचना पर अछरौनी से दबोचे गए आरोपी)

पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आरोपियों की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों आरोपी ग्राम अछरौनी के रमपुरा क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान केशराम उर्फ छोटू गुर्जर (28 वर्ष) निवासी सेमरी तेंदुआ तथा देवा आदिवासी (32 वर्ष) निवासी सहरिया मोहल्ला, शिवपुरी के रूप में हुई।

(न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल)

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। बुधवार को उन्हें न्यायालय खनियाधाना में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने के बाद दोनों को उपजेल पिछोर भेज दिया गया।

(इन पुलिसकर्मियों की रही सराहनीय भूमिका)

हत्याकांड के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक केदार सिंह यादव, उपनिरीक्षक छाया राय, सहायक उपनिरीक्षक रामसिंह भिलाला, हजारीलाल जाटव, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र सिंह पाल सहित आरक्षक अनूप कुमार, हेमसिंह गुर्जर, योगेन्द्र सिंह, रवि बाथम, उमेश लोधी, दीपक किरार, अरविन्द्र सिंह कौरव, विकास चौधरी एवं चालक मोहित शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीएम के पिछोर दौरे पर पिछोर विधायक प्रीतम लोधी का दावा: 1 लाख कार्यकर्ता करेंगे स्वागत, जिला और किला की होगी मांग

अतुल जैन

'100 बात की एक बात नहीं, अब 1 लाख की एक बात' - 30 साल के संघर्ष का इनाम मांगेंगे कार्यकर्ता, सौगातों का पिटारा खुलने की उम्मीद

खनियांधाना। 6 तारीख को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित पिछोर दौरे को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बुधवार को पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि सीएम के पहले पिछोर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ता ऐतिहासिक स्वागत करेंगे और मंच से जिले की सौगात मांगेंगे। पत्रकारों से चर्चा में विधायक लोधी ने कहा, "6 तारीख को माननीय मुख्यमंत्री जी हमारे पिछोर में पधार रहे हैं और पहली बार आ रहे हैं। कुछ सौगातें लेकर आ रहे हैं। हमारे कार्यकर्ता इस समय जोश में हैं।"

'2 लाख हाथ उठाकर मांगेंगे जिला'

विधायक ने बताया कि कार्यकर्ताओं की एक ही मांग है। "पहले मैं कहता था 100 बात की एक बात, अब हमारे कार्यकर्ता कह रहे हैं, 1 लाख की एक बात। सामने खड़े होंगे दो हाथ, तो 2 लाख बात। 2 लाख हाथ खड़े होंगे और मुख्यमंत्री से मांग करेंगे कि हमें जिला और एक छोटा सा किला चाहिए। पिछोर को और कुछ नहीं मांगना।"

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को मिल ही रहा है। "केवल 1 लाख कार्यकर्ता इकट्ठे होकर मुख्यमंत्री जी का स्वागत करेंगे और दोनों हाथ उठाकर जिला मांगेंगे। जिले की सौगात जरूर मिलेगी क्योंकि 30 साल भाजपा कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है, उसका इनाम चाहिए।"

'सौगातों का पिटारा यहीं खुलेगा'

मुख्यमंत्री के साथ आने वाली सौगातों पर लोधी बोले, "मोहन यादव जी जहां भी जाते हैं, सौगातें लेकर जाते हैं। ये पिछोर का सौभाग्य है। मुझे लगता है पिटारा यहीं आकर खुलेगा। भाजपा बताती कम है, करती ज्यादा है। हमें आशा है मुख्यमंत्री पिपरिया को नंबर वन बनाने में भूमिका निभाएंगे।"

'सबसे बड़ी सभा होगी पिछोर में'

कार्यक्रम में भीड़ के सवाल पर विधायक ने दोहराया, "1 लाख, दोनों हाथ बटेंगे तो 2 लाख। नारा यही है - 100 बात की एक बात नहीं, अब 1 लाख की एक बात, जिला और किला।" कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में सीएम का सबसे ज्यादा स्वागत पिछोर में होगा और सबसे बड़ी सभा भी यहीं होगी। उल्लेखनीय है कि पिछोर को जिला बनाने की मांग दशकों पुरानी है।

शिवपुरी कांग्रेस में हर्ष
बासित अली पांचवीं बार बने जिला उपाध्यक्ष, पत्रकारों ने दी बधाई

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरीः मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय और समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखने वाले कांग्रेस नेता बासित अली को एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और लंबे समय से चले आ रहे समर्पित योगदान को देखते हुए, उन्हें कांग्रेस का वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह गौरव की बात है कि बासित अली को लगातार पांचवीं बार इस महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारी दी गई है।

कार्यालय पर लगा बधाई देने वालों का तांता

बासित अली के जिला उपाध्यक्ष पद पर पुनः नियुक्त होने की सूचना मिलते ही उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी क्रम में, स्थानीय पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यालय पहुँचकर उन्हें पुष्पमाला पहनाई और मिठाई खिलाकर इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सामाजिक कार्यों में रहती है सक्रिय भूमिका

बासित अली केवल एक राजनीतिक नेता ही नहीं, बल्कि एक सजग समाजसेवी के रूप में भी जाने जाते हैं। वे लंबे समय से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को मजबूती देने के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उनकी यही कार्यशैली और सादगीपूर्ण व्यवहार उन्हें कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाता है।

बधाई देने वालों में शामिल रहे पत्रकार

इस अवसर पर शहर के प्रमुख पत्रकार दारा मोहम्मद खान, चांद खान, यूसुफ खान, बबीता परमार, सोहेल खान, इरशाद खान, अरशद अली, सुनील नगेले, विकास दंडोतिया और ऋषि गोस्वामी उपस्थित रहे।

सभी पत्रकारों ने उनके उज्जवल राजनीतिक भविष्य और जनसेवा के कार्यों में निरंतर सफलता की कामना की।

इस सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बासित अली ने कहा कि पार्टी ने जो भरोसा उन पर लगातार पांचवीं बार जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे और आने वाले समय में संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

शुजालपुर महाविद्यालय में ABVP ने लगाई हेल्प डेस्क, नवप्रवेशित विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

सूर्या परमार

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ABVP की पहल, महाविद्यालय में हेल्प डेस्क के साथ किया पौधारोपण

शुजालपुर। नए शैक्षणिक सत्र के तहत महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सहायता के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) द्वारा शुजालपुर महाविद्यालय परिसर में हेल्प डेस्क लगाई गई। परिषद कार्यकर्ताओं ने छात्र-छात्राओं को प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, दस्तावेज सत्यापन सहित विभिन्न शैक्षणिक जानकारियां प्रदान कर उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर नोडल प्रवेश अधिकारी एवं नगर अध्यक्ष मुकेश मेवाड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कॉलेज जीवन की शुरुआत में सही मार्गदर्शन मिलना अत्यंत आवश्यक है। हेल्प डेस्क के माध्यम से परिषद के कार्यकर्ता विद्यार्थियों को हर संभव सहयोग प्रदान कर रहे हैं, जिससे उन्हें प्रवेश संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं ने पौधों की देखभाल का संकल्प लेते हुए परिसर को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया। महाविद्यालय अध्यक्ष चेतना वैष्णव ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले कई विद्यार्थियों को महाविद्यालय की प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी नहीं होती, ऐसे में हेल्प डेस्क उनके लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इंदौर। माँ आदिशक्ति ग्रुप की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सपना मिश्रा एवं ग्रुप की सदस्यों ने ग्यारस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भजन-कीर्तन का आनंद लिया गया तथा श्रद्धालुओं के बीच हरियाली प्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में धर्म एवं संस्कृति के प्रति आस्था का सुंदर वातावरण देखने को मिला।

आपातकाल ऐसा काला धब्बा है,जिसे मिटाया नहीं जा सकता-कप्तान सिंह सोलंकी

आपातकाल के 51 वर्ष आपातकाल की विभीषिका का काला अध्याय पर भाजपा द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

इंदौर। आपातकाल के 51 वर्ष पर भाजपा द्वारा शुभकारज गार्डन , पिपल्यापाला चौराहे में आपातकाल की विभीषिका का काला अध्याय विषय पर भाजपा के पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री कप्तान सिंह सोलंकी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम. चुबा आओ, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, मधु वर्मा, श्रवण सिंह चावड़ा, सत्यनारायण सत्तन, गोपी कृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, पूर्व राज्यपाल विष्णु सदाशिव कोकजे, बाबुसिंह रघुवंशी, ईश्वर हिंदुजा, राधेश्याम यादव, उमा नारायण पटेल, कंचन सिंह चौहान, गणेश गोयल, अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, लघु उद्योग निगम अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण, शांतिलाल सिंघवी की उपस्थिति में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा जब कभी इंदौर आता हूँ तो मेरा मन प्रसन्न हो जाता है। उन्होंने कहा आपातकाल एक ऐसा काला धब्बा है, भारत के लोकतंत्र में जिसे मिटाया नहीं जा सकता। आपातकाल में लोकतंत्र की हत्या की गई, संविधान की हत्या की गयी। अपने संविधान के अंदर 3 तरह के आपातकाल को परिभाषित किया गया है , एक राष्ट्रीय आपातकाल, जब दूसरे देश के साथ जंग छिड़ जाए तो आपातकाल लगाया जाता, यह धारा 352 में आता है, दूसरा जब किसी राज्य की स्तिथि नियंत्रण से बाहर हो जाए,तब राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है यह 356 में आता है। तीसरी जब कोई देश विचित्र रूप से आर्थिक संकट में फंस जाए, अर्थव्यवस्था छिन्न भिन्न हो जाए तब धारा 360 के अनुसार आपातकाल लगाया जा सकता है जैसे आज पाकिस्तान में स्तिथि हो रही है। इसे आर्थिक आपातकाल कहते हैं। 1975 में जो आपातकाल लगाया गया था वो इन तीनों श्रेणियों में आता है क्या?

उन्होंने कहा कि व्यक्ति जब अपनी कुर्सी बचाने के लिए तानाशाह बन जाता है, न्यायालय को नहीं मानता, संविधान को नहीं मानता, भारत की आत्मा लोकतंत्र को नहीं मानता और उसका गला घोट देता है, और पूरा शासन तंत्र अपने हाथ में ले लेता है ये वो आपातकाल है। जयप्रकाश नारायण ने हुंकार भारी की सिंहासन खाली करो की जनता आती है। 24 जून सुप्रीम कोर्ट का फैसला आता है, लेकिन इंदिरा ने इस्तीफा देने की जगह 25 जून को रात 12 बजे राष्ट्रपति से हस्ताक्षर करवा कर, आपातकाल लागू कर दिया, उसके बाद से सभी बड़े विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया। कॉंग्रेस के नेताओं और कलेक्टर के इशारों पर लोगों को जेलों में ठूस दिया गया। जो विरोधी है सिर्फ उन्हें ही नहीं,जो कॉंग्रेस के असंतुष्ट लोग थे उन्हें भी जेलों में बंद कर दिया गया। कॉंग्रेस ने लगातार संविधान को कुचलने का काम किया। आपातकाल जैसी स्तिथि देश में फिर से नहीं होना चाहिये, संविधान की हत्या ना हो इसलिए भाजपा ने तय किया कि संविधान हत्या दिवस मनाएंगे। श्री कप्तान सिंह ने नागरिकों से आह्वान किया कि आप भी संविधान के प्रति जागरूक रहे, आपको लगे कि कोई संविधान को तोड़ रहा है, या हत्या करने का प्रयास कर रहा है तो सजग रहे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, उसमे मंच पर बैठे सभी वरिष्ठ नेताओं का कठिन तप और संघर्ष है। ये भाजपा के आधार स्तम्भ है, ये नींव के पत्थर है, मैं आप सबको प्रणाम करता हूं। आपातकाल में इन सबने संघर्ष करके लोकतंत्र की रक्षा की। आपातकाल में कई लोगो जेल में बंद कर दिया गया, कई लोगों ने जेल के बाहर रहकर आपातकाल के ख़िलाफ़ संघर्ष किया। ना दलील थी ना अपील थी, अब लोकतंत्र इतना मजबूत हो गया है कि कोई ऐसा सोच भी नहीं सकता उन्होंने कहा आपातकाल के काले अध्याय से आने वाली पीढ़ी को परिचित करवाना जरूरी है। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा आज का दिन हिन्दुस्तान में संविधान की हत्या दिवस के रूप में जाना जाता है, हिंदुस्तान चांद पर पहुंच गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब कॉंग्रेस ने हिंदुस्तान में संविधान को ताक पर रखकर लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया था।

श्री कप्तान सिंह सोलंकी, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला, पार्षद सुरेश टाकलकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के अभियान के तहत मल्हार आश्रम में पौधारोपण किया।

संचालन टोली संयोजक महेश कुकरेजा एवं आभार हरप्रीत सिंह बक्शी ने माना

इस अवसर पर आलोक डाबर, ओमप्रकाश फ़रकिया, सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, राकेश शर्मा, वासुदेव पाटीदार, भूपेंद्र सिंह केसरी,भारत पारख, दीपेन्द्र सिंह सोलंकी, दीप्ति हाडा, नेहा शर्मा, नारायण पालीवाल, सचिन बंसल, विशाल यादव, वरुण पाल, हेमराज वाडिया, रानू गर्ग, गोविंद पंवार, रितेश शर्मा, नितिन शर्मा, दीपांश खण्डेलवाल, राजा कोठारी, सिटू छाबड़ा सहित अभियान टोली सदस्य उपस्थित थे।

ट्रेन में चोरी, फ्लाइट से फरार; शौक और शराब की लत पूरी करने के लिए करता था वारदातें

इंदौर। ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय चोर को इंदौर जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जितेंद्र चावला उर्फ जीतू के रूप में हुई है, जो चोरी की वारदातों को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचने के लिए हवाई यात्रा कर दूसरे शहरों में फरार हो जाता था। जीआरपी अधिकारियों के अनुसार आरोपी लंबे समय से ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के बैग, कीमती सामान और नकदी पर नजर रखता था। मौका मिलते ही वह चोरी की वारदात को अंजाम देकर ट्रेन से उतर जाता और जल्द ही फ्लाइट के जरिए दूसरे राज्यों में पहुंच जाता था, जिससे उसकी गिरफ्तारी मुश्किल हो जाती थी।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी ने 20 से अधिक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस के मुताबिक वह ऐशो-आराम की जिंदगी जीने और शराब की लत पूरी करने के लिए लगातार अपराध कर रहा था। चोरी से मिले पैसों को वह मौज-मस्ती, यात्रा और अन्य शौक पूरे करने में खर्च करता था।

जीआरपी ने आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद किया है। पुलिस अब उससे अन्य राज्यों में दर्ज मामलों के संबंध में पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में और भी कई वारदातों का खुलासा हो सकता है। पुलिस ने यात्रियों से सफर के दौरान अपने सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की है।

पेपर लीक पर कांग्रेस का बड़ा हमला

"छात्रों की गूंज" अभियान शुरू, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग तेज

देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और नियुक्ति प्रक्रियाओं में हो रही देरी को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने गुरुवार से 40 दिवसीय "छात्रों की गूंज" अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग करना बताया जा रहा है। इंदौर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए केंद्र सरकार, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) और अन्य भर्ती एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए। इंदौर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक दत्त ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश की परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्था का शिकार हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षाओं की विश्वसनीयता लगातार कमजोर होती जा रही है और इसका सीधा असर लाखों छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा है। उनका कहना था कि केंद्र सरकार की नीतियों और एजेंसियों की लापरवाही के कारण छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है।

अभिषेक दत्त ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि National Testing Agency निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा कराने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में व्यापमं घोटाले से शुरू हुई परीक्षा अनियमितताओं की समस्या अब राष्ट्रीय स्तर तक फैल चुकी है और अब यह छात्रों के लिए एक बड़ी चिंता बन चुकी है। कांग्रेस का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में बार-बार पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों का मनोबल तोड़ा है और उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। कांग्रेस द्वारा जारी दस्तावेज में दावा किया गया है कि नीट-यूजी 2026 सहित कई बड़ी परीक्षाओं में विवाद सामने आए हैं, जिससे छात्रों का भरोसा परीक्षा प्रणाली पर कमजोर हुआ है। पार्टी का कहना है कि बार-बार होने वाली गड़बड़ियां इस बात का संकेत हैं कि सिस्टम में कहीं न कहीं गंभीर खामियां मौजूद हैं। इन खामियों को सुधारने के बजाय सरकार केवल सफाई देने में लगी हुई है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अभिषेक दत्त ने एक बेहद गंभीर मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली की खामियों, रिजल्ट में देरी और लगातार बढ़ते मानसिक दबाव के कारण देशभर में 21 छात्रों ने आत्महत्या तक कर ली है। उन्होंने इसे बेहद दुखद और चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की त्रासदी है जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है। उन्होंने इंदौर की दो छात्राओं का भी जिक्र किया और कहा कि यह दिखाता है कि यह संकट अब स्थानीय स्तर तक गहराई से पहुंच चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलों में परीक्षा केंद्रों को लेकर भी गंभीर लापरवाही सामने आई है। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि एक छात्र का परीक्षा केंद्र देश के बाहर Abu Dhabi में बना दिया गया, जो अपने आप में हैरान करने वाला मामला है। इस तरह की घटनाएं छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक और आर्थिक दोनों रूप से प्रभावित करती हैं। अभिषेक दत्त ने मध्यप्रदेश की छात्राओं आकांक्षा और अवंतिका मौर्य का भी जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले यह साबित करते हैं कि परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों की तत्काल जरूरत है। कांग्रेस ने अपनी मांगों को स्पष्ट करते हुए कहा है कि पेपर लीक मामलों, कथित परीक्षा माफिया, संबंधित एजेंसियों और इनके पीछे मौजूद राजनीतिक संरक्षण की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

पॉश कॉलोनी में चल रही थी नकली शराब फैक्ट्री, आबकारी विभाग ने किया भंडाफोड़

इंदौर। विनोद पालेया s/o धन्ना लाल पलेया उम्र 45 वर्ष निवासी 21CA तुलसी नगर इंदौर शहर के पॉश माने जाने वाले तुलसीनगर क्षेत्र में संचालित एक अवैध शराब निर्माण फैक्ट्री का आबकारी विभाग ने भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान 144 बल्क लीटर देशी मदिरा, भारी मात्रा में स्प्रिट, कैरेमल, पैकेजिंग सामग्री, डुप्लीकेट लेबल, होलोग्राम, विभिन्न ब्रांडों के ढक्कन, कार्टून और शराब निर्माण में प्रयुक्त मशीनें जब्त की गई हैं। मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश और सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई से पहले विभागीय टीम ने तीन दिनों तक सिविल ड्रेस में गोपनीय निगरानी और रेकी की थी। सूचना की पुष्टि होने के बाद तीन मंजिला भवन पर योजनाबद्ध दबिश दी गई, जहां अवैध शराब निर्माण और पैकेजिंग का काम संचालित हो रहा था।

जांच में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ राजस्थान में बिकने वाले ब्रांडों के लेबल और होलोग्राम भी मिले हैं। इससे एक संगठित अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। आबकारी विभाग अब नेटवर्क के वित्तीय, तकनीकी और वितरण तंत्र की जांच कर रहा है। विभाग का कहना है कि जब्त सामग्री की वैज्ञानिक जांच कराई जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि तैयार की जा रही शराब नकली या स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तो नहीं थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और विक्रय के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।